नव भारत
राष्ट्रीय चेतना की प्रतीक 1934 से

4 डिजिटल पेमेंट पर शुल्क संभव

5 जहाज रिसाइक्लिंग में भारत बना नंबर वन

7 एलिना ने डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में बनाई जगह

8 छह साल बाद भी कायम है कारगिल गर्ल का जादू

सुविधा के साथ शुल्क भी वसूलेगी सरकार

कैबिनेट ने दी मंजूरी

6 लेन सड़क भोपाल बायपास पर 10 वर्ष होगी टोल वसूली

2 लेन से 4 लेन में तब्दील होगी भोपाल-विदिशा सड़क

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 अगस्त. राज्य सरकार राजधानी के लोगों को सुविधा देने के लिए भोपाल बायपास को 4 लेन से 6 लेन में तब्दील करने जा रही है. ये 6 लेन भोपाल शहर से इंदौर, रायसेन, विदिशा और नर्मदापुरम जिले को जोड़ता है. यानी भारी सहित ऐसे वाहन जिन्हें भोपाल आने की जरुरत नहीं है, वे बाहर से ही निकल जाएंगे. इस सड़क की सुविधा देने पर सरकार शुल्क भी वसूलेगी. 6 लेन पर दिसंबर 2031 तक टोल की वसूली होगी. ये अवधि समाप्त होने के बाद भी अगले पांच वर्ष तक और टोल की वसूली हो सकेगी, इस तरह अगले 10 वर्ष तक बायपास पर टोल वसूली होगी.

कैबिनेट ने मंगलवार को इस संबंध में पेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है. भोपाल बायपास का निर्माण मप्र सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रहा है. इस बायपास की लम्बाई 51.963 कि.मी. पर 19 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2031 तक टोल की वसूली होगी. साथ ही इसकी अवधि अतिरिक्त 5 वर्ष तक बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया है. भोपाल बायपास पर उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण, पूर्व में जारी अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार यथावत् रखा गया है. उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण का कार्य मप्र सड़क विकास निगम लिमिटेड अथवा निगम द्वारा चयनित संग्रहण एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा.

यहां बता दें कि भोपाल बायपास 4-लेन मार्ग की कुल लंबाई 51.963 कि.मी. है, जो कि भोपाल शहर से इन्दौर, रायसेन, विदिशा एवं नर्मदापुरम् जिलों को जोड़ता है. जिससे भोपाल शहरी क्षेत्र का यातायात दबाव कम होने के साथ-साथ यात्रियों को निर्बाद्ध रूप से सुगमतापूर्वक मार्ग उपलब्ध होता है. इसका नियमित संचालन, अनुरक्षण एवं रख-रखाव निगम द्वारा किया जाता है.

> कुल परियोजना निर्माण लागत की शेष 60 प्रतिशत राशि संचालन अवधि में 15 वर्षों तक छः माही एन्यूटी के रूप में राज्य बजट के माध्यम से किया जायेगा. इसके अलावा भू-अर्जन एवं अन्य कार्य व सुपरविजन चार्जेस की राशि रूपये 364 करोड़ 41 लाख रूपये का भुगतान भी राज्य बजट के माध्यम से किया जायेगा. भोपाल विदिशा सड़क अयोध्या बाईपास के भानपुर टी-जंक्शन से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-146 पर सांची-सलामतपुर जंक्शन पर समाप्त होता है. यह मार्ग भानपुर, चोपड़ाकला, सूखी सेवनिया, डोब, बालमपुर, दीवानगंज और सलामतपुर से गुजरते हुए भोपाल और विदिशा जिलों को जोड़ता है.

1,757 करोड़ रुपए मंजूर

कैबिनेट ने भोपाल को मेट्रो-पोलिटिन सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाईब्रिड एन्यूटी मोडल के लिए बनाए गए मॉडल कंसेशन एग्रीमेंट के आधार पर, भोपाल-विदिशा मार्ग लंबाई 44.830 कि.मी. का 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर निर्माण किये जाने के लिए 1,757 करोड़ 55 लाख रूपये की मंजूरी दी है. इसी के साथ इस सड़क के 4 लेन में तब्दील होने का रास्ता साफ हो गया है. सरकार का दावा है कि इससे अब औद्योगिक निवेश बढ़ाने के साथ अधोसंरचना का विकास होगा. कुल परियोजना निर्माण लागत का 40 प्रतिशत हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत मप्र सड़क विकास निगम द्वारा राज्य राजमार्ग निधि से परियोजना क्रियान्वयन के दौरान जीएसटी सहित वहन किया जायेगा.

भारत की चीन को दो टूक

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा : एमईए

नई दिल्ली, 11 अगस्त. अरुणाचल को लेकर भारत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि यह राज्य देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है.

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि चीन की ओर से स्थानों के नाम बदलने या नए नाम जारी करने की कोशिशों से जमीन की वास्तविकता नहीं बदलेगी. भारत ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए अपनी संप्रभुता पर अडिग रहने का संदेश दिया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और यह ऐसी सच्चाई है, जिसे कोई भी कदम बदल नहीं सकता. उनका बयान चीन की उस प्रतिक्रिया के बाद आया है, जिसमें उसने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के भारतीय नाम दर्ज किए जाने पर आपत्ति जताई थी.

एयर फोर्स पायलट्स के स्क्वाड्रन पर बनी वेब सीरीज को अच्छे रिव्यूज मिले!

एफसीआरए बिल पर सरकार का बड़ा फैसला जेपीसी भेजने की तैयारी

नई दिल्ली. विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच टकराव के बीच बड़ा राजनीतिक संकेत सामने आया है. सरकार इस विधेयक को संसद में आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने के विकल्प पर विचार कर रही है. विपक्षी दलों और कई राज्य स्तरीय नेताओं के विरोध के बीच सरकार की ओर से सामने आए इस संकेत को संसद में जारी गतिरोध खत्म करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है. सोमवार को हुई बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में एफसीआरए संशोधन विधेयक और परिसीमन विधेयक को कार्यसूची में शामिल नहीं किया गया. इसके बाद सरकार की आगे की रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं.

राहुल की आक्रामक मुहिम कुंद

झारखंड लाठीचार्ज के खिलाफ आक्रामक मुद्रा में आए भाजपाई

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 11 अगस्त. राष्ट्रीय राजनीति की बिसात पर युवाओं, बेरोजगारों और छात्रों के हमराही बनने की आक्रामक मुहिम में जुटे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की ढूलमूल और कछुए चाल की नीतियों ने बैकफुट पर ला दिया है.

झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे युवाओं और छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज ने अचानक राहुल गांधी के दिन-रात के आक्रामक अभियान पर उनकी अपनी गठबंधन सरकार द्वारा पानी फेर दिया गया है.

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले कुछ वर्षों में देश के युवाओं, छात्रों, पेपर लीक और रोजगार के सवालों को अपने राजनीतिक अभियान के सबसे अग्रिम मोर्चे पर रखा है. संसद के भीतर हो या बाहर, वे लगातार देश के नौजवानों की आवाज बनकर उभरे थे और युवा विरोधी नीतियों को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की घेराबंदी कर रहे थे.

> युवाओं के हक में दिया गया उनका हर नारा उनके राजनीतिक ग्राफ को नई ऊंचाइयां दे रहा था. वे युवाओं के बीच एक भरोसे के तौर पर खुद को स्थापित करने की पुरजोर कोशिश कर रहे थे. लेकिन झारखंड लाठीचार्ज राहुल गांधी की राजनीतिक इच्छाशक्ति या उनकी सोच का परिणाम नहीं था, बल्कि यह राज्य स्तर पर प्रशासनिक तंत्र की घोर संवेदनहीनता और गठबंधन सरकार की मनमानी का नतीजा था. फिर भी इस पूरे घटनाक्रम ने नीट परीक्षा से लेकर देश में बेरोजगारी के हर मोर्चे पर भाजपा को घेरने वाले राहुल गांधी के तरकश के तीरों को एक... शेष पेज 5 पर

हथियार दिखाकर शेखी बघारने की थी तैयारी, चार गिरफ्तार

इंदौर, (नव भारत न्यूज). बर्थडे पार्टी में हथियारों का प्रदर्शन कर शेखी बघारने और रौब जमाने की तैयारी कर रहे चार युवकों को राऊ पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से चार देशी पिस्टल, एक रिवॉल्वर और चार जिंदा कारतूस मिले हैं. पुलिस अब हथियारों की खरीद फरोख्त से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है. 10 अगस्त की रात राऊ पुलिस कैट रोड और आसपास के इलाकों में संदिग्धों की जांच कर रही थी. नखराली ढाणी गेट के आगे सुनसान गली में चार युवक अंधेरे में खड़े मिले. पुलिस को देखते ही भागे लेकिन घेराबंदी कर पकड़ लिया.

झारखंड में सड़कों पर बीजेपी

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का दिया साथ

रांची, 11 अगस्त। झारखंड में छात्र आंदोलन का समर्थन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को झारखण्ड बंद का एलान किया था. जिसका असर राज्य के कई हिस्सों में देखने को मिला.

राजधानी रांची सहित कई जिलों में स्कूल, बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, वहीं सड़कों पर वाहनों की संख्या भी कम रही.

भाजपा ने यह बंद जेपीएससी और जेएसएससी अभ्यर्थियों पर सोमवार को हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुलाया था. पार्टी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि रांची में विधानसभा मार्च कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने पानी की बौछार की, आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया.

विकसित भारत का लें संकल्प

- पीएम मोदी का इंस्टाग्राम पर पोस्ट
- हर घर तिरंगा फहराएं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 11 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर हर घर पर तिरंगा लहराने की अपील की है. इस वीडियो को जरिए पीएम मोदी ने कहा, '15 अगस्त को आन-बान-शान से मनाएं. स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें. विकसित भारत का संकल्प लें. हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा. आइए हर घर पर तिरंगा लहराइए.'

इस दौरान वीडियो में नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और एनडीए के अन्य नेता तिरंगा लहराते नजर आए.

> संसद भवन परिसर में मंगलवार को इससे पहले एनडीए बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर गठबंधन के सांसदों ने तिरंगा लहराकर और 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया. संसद भवन पुस्तकालय स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित इस 'मंगल मिलन' बैठक में केंद्रीय मंत्रियों, एनडीए नेताओं और गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया.

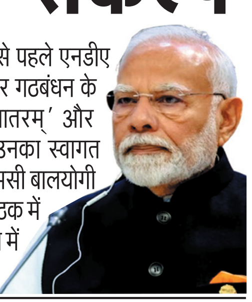

बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए. केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि 15 अगस्त को ऐतिहासिक लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गाया जाएगा और इस कार्यक्रम की थीम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति का योगदान होगी. रक्षा सचिव आरके सिंह ने कहा कि लाल किले में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान युवाओं की उपलब्धियों और योगदान को रेखांकित करने की योजना जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन से पहले ही तय की जा चुकी थी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के लाल किले से स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे.

विनम्र श्रद्धांजलि

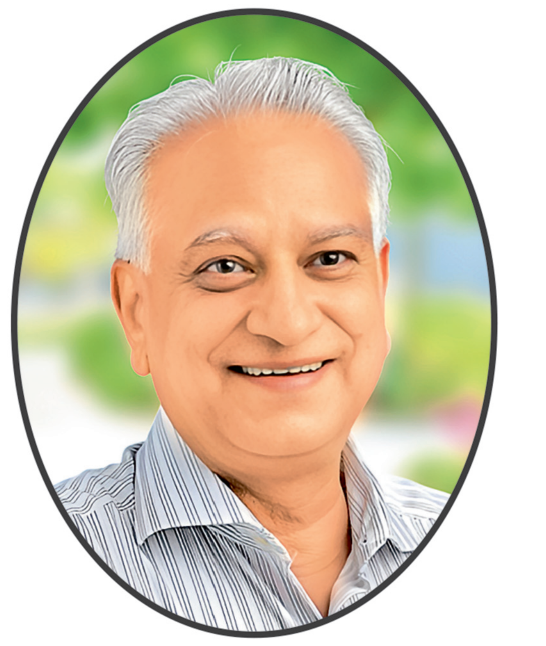

स्व. श्री विनोदबाबू माहेश्वरी

जन्म : 17-10-1944 महाप्रयाण : 12-8-2024

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।
(गीता 3-21)

श्रेष्ठ पुरुष जिस-जिस कर्म का आचरण करते हैं,
उसी-उसी का दूसरे लोग भी पालन करने लगते हैं.
वे जिस बात को प्रमाण मानते हैं,
समाज का हर व्यक्ति उसी का अनुसरण करने लगता है.

नव भारत Central Chronicle
परिवार

भविष्यवाणी | कर्क राशि के आश्लेषा नक्षत्र में ग्रहण, राजनीति, अर्थव्यवस्था, जनभावनाओं और सामाजिक बदलाव

आज सूर्य ग्रहण : दुनिया और भारत के लिए क्या संकेत?

डॉ. आशुतोष उपाध्याय

12 अगस्त 2026 को होने वाला पूर्ण सूर्य ग्रहण केवल खगोलीय दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वैदिक ज्योतिष में भी इसे एक प्रभावशाली घटना माना जा रहा है। ग्रहण के समय सूर्य और चंद्रमा कर्क राशि के आश्लेषा नक्षत्र में स्थित होंगे.

कर्क राशि जनता, मातृभूमि, घर, भावनाओं, खाद्य-सुरक्षा और जनमानस का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि आश्लेषा नक्षत्र गुप्त गतिविधियों, रणनीति, मनोवैज्ञानिक बदलाव और परिवर्तन से जुड़ा माना जाता है.

भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा, इसलिए स्थानीय स्तर पर पारंपरिक सूतक संबंधी नियम लागू नहीं होंगे. लेकिन मुहूर्त और सांसारिक ज्योतिष की दृष्टि से ग्रहण की राशि और नक्षत्र स्थिति का अध्ययन महत्वपूर्ण माना जाता है.

- **राजनीति और सत्ता:** कर्क राशि में ग्रहण के कारण सरकारों और जनता के बीच संबंध महत्वपूर्ण विषय बन सकते हैं. कुछ देशों में नेतृत्व की नीतियों को लेकर असंतोष, राजनीतिक पुनर्संरेखण अथवा जनमत में बदलाव देखने को मिल सकता है.
- **वैश्विक अर्थव्यवस्था:** कर्क का संबंध भूमि, कृषि, खाद्य और घरेलू अर्थव्यवस्था से जोड़ा जाता है. इसलिए खाद्य कीमतों, कृषि उत्पादन, रियल एस्टेट, आवास और घरेलू बाजार से जुड़े विषय महत्वपूर्ण हो सकते हैं.
- **जनता की भावनाएं:** चंद्रमा के ग्रहण से जुड़े ज्योतिषीय संकेत सामूहिक मन में अस्थिरता, चिंता और भावनात्मक प्रतिक्रिया की ओर संकेत करते हैं. सोशल मीडिया और डिजिटल संचार के दौर में अफवाहें और भावनात्मक मुद्दे तेजी से प्रभाव डाल सकते हैं.
- **मौसम और प्राकृतिक घटनाएं:** पारंपरिक मुहूर्त और सांसारिक ज्योतिष में सूर्य-चंद्र ग्रहणों को मौसम और प्राकृतिक परिस्थितियों से भी जोड़ा जाता है. कर्क राशि के कारण जल, वर्षा, समुद्र, कृषि और खाद्य-संबंधी परिस्थितियाँ विशेष चर्चा में रह सकती हैं.

शेष पेज 5 पर

दुनिया पर क्या असर

> ज्योतिष में सूर्य को सत्ता, शासन, नेतृत्व और प्रतिष्ठा का तथा चंद्रमा को जनता, जनभावना और सामूहिक मन का कारक माना गया है. दोनों के ग्रहणग्रस्त होने से आने वाले महीनों में कई देशों में सरकारों, नेतृत्व और जनमत से जुड़े मुद्दे चर्चा में आ सकते हैं.